ATP Education | Previous Year Paper

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

M

No. of Printed Pages : 16

# Summative Assessment II, 2011-2012

Subject : हिन्दी (A)

10205

Time : 3 Hrs.] Class : X [ M. M. : 80

**सामान्य निर्देश –**

(i) इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं – क, ख, ग और घ।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

## खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए – $1 \times 5 = 5$

एक प्रसिद्ध सूक्ति है – मन ही बंधन का कारण है और मन ही मुक्ति का कारण है। मन को दुष्ट घोड़े की उपमा दी गई है, जो अनियंत्रित होकर कुमार्ग पर दौड़ता हुआ स्वयं की और सवार की हानि करता है। वैसे ही हमारा अनियंत्रित मन भी प्राणी को संकटों में ही डालता है। प्रश्न यह है कि इस चंचल मन पर नियंत्रण कैसे करें ? मन को वश में करने का सरल उपाय है – उसकी दिशा ही बदल दो। जो मन विकारों की ओर जा रहा है, उसे सद्विचारों की ओर मोड़ दो। यह दिशा परिवर्तन करना ही मन पर विजय पाना है। पदार्थों की तरफ आसक्ति ही मनुष्य को दिग्भ्रमित करती है। पदार्थों के प्रति आकृष्ट होने पर अच्छे-बुरे का, लाभ-हानि का विवेक लुप्त हो जाता है। केवल जो प्राप्त नहीं है, उसे प्राप्त करने की और जो प्राप्त है, उसका संरक्षण करने की लालसा प्रबल हो जाती है। अतः मन को वश में करने का प्रथम उपाय है सत् की संगति, जो सत्य है – उसके साथ रहो।

P.T.O.

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



सत् का अर्थ है श्रेष्ठ, उत्तम व अच्छा। इसका आशय यही है कि हम ऐसे व्यक्तियों की संगति में रहें जो श्रेष्ठ हैं, जिनका चरित्र या व्यवहार या आचरण श्रेष्ठ है।

(i) हमारे मन के अनियंत्रित होने का यह परिणाम होता है कि –

(क) यह प्राणी को संकटों से उबारता है
(ख) यह प्राणी को संकटों में डालता है
(ग) यह जीवन में समस्याएँ पैदा करता है
(घ) यह कुमार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

(ii) मन को वश में करने का सरल उपाय है –

(क) मन में लालसाएँ पैदा न होने दो
(ख) मन को दुर्विचारों की ओर न जाने दो
(ग) मन को सद्विचारों की ओर मोड़ दो
(घ) मन को नियंत्रित करो।

(iii) आसक्ति कारण नहीं है –

(क) दिग्भ्रमित होने का
(ख) लाभ-हानि के विवेक के लोप का
(ग) अच्छाई को प्राप्त करने की अभिलाषा का
(घ) मन की मुक्ति का।

(iv) सत्संगति किनके साथ रहने का आदेश देती है?

(क) जिनका चरित्र या व्यवहार श्रेष्ठ है
(ख) जिनके पास अपार संपत्ति है
(ग) जो बहुत पढ़े-लिखे हैं
(घ) जो समाज के कर्णधार हैं।

(v) 'मुक्ति' का विलोम शब्द होगा –

(क) आजादी
(ख) विरक्ति
(ग) बंधन
(घ) आसक्ति

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



**2.** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – $1 \times 5 = 5$

यदि कोई साधारण भारतीय नागरिक अपने बैंक से अपनी भारतीय करेंसी को यू. एस. डॉलर में बदलना चाहे तो उसे सैकड़ों किस्म के जवाब देने होंगे। यदि आप मनी चेंजर से अपने रुपये के बदले डॉलर बदलकर उसे विदेश ले जाना चाहें तो बिना उद्देश्य दिखाए पाँच हजार यू. एस. डॉलर से ज्यादा नहीं ले जा सकते। उससे ज्यादा पैसे ले जाने के लिए उचित कारण बताना होगा और उसका प्रूफ भी देना होगा। किसी आम आदमी के लिए यहाँ से पैसे ले जाकर विदेशों में जमा करना मुश्किल ही नहीं, असंभव है। ये पैसे ट्रक में भरकर या बैग में भरकर भी नहीं भेजे जा सकते। फिर भी विदेशों में भारतीयों का काफी पैसा जमा है।

आखिर यहाँ से काला धन विदेशों में जाता कैसे है? इसके लिए सबसे जरूरी है उस जड़ का पता लगाना। इसके लिए हमें एक प्रशिक्षित खुफिया तंत्र को विकसित करना होगा, जो ऐसे आर्थिक अपराधों की लगातार निगरानी करे और प्रभावी ढंग से इसकी रोकथाम कर सके। जो पैसे पहले ही बाहर भेजे जा चुके हैं, उन्हें वापस लाना हमारी दूसरी प्राथमिकता है। हाल के दशकों में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ने से काला धन विदेशों में ले जाकर उसे छुपाना आसान हो गया है। यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है। इसका फैलाव इतना अधिक हो गया है कि यह पूरे अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को बाध्य कर रहा है कि सब मिलकर अब 'बैंकिंग सेक्रेसी नॉर्म' पर प्रतिबंध लगाएँ। देश से बाहर जमा पैसा चिंता का विषय है, देश के भीतर छुपा काला धन भी उतना ही विनाशकारी है। हाल के जन आंदोलनों और सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद सरकार इसकी रोकथाम की दिशा में सक्रिय हुई है। देश की अनेक संस्थाएँ इसका अध्ययन कर रही हैं कि किस तरह इतना पैसा काले धन में बदल रहा है और इसका आकार कैसा और कितना हो सकता है।

लेकिन जब तक हमारा निगरानी तंत्र पर्याप्त चुस्त-दुरुस्त नहीं होगा, अलग संस्थाएँ बनाकर सरकारी बोझ बढ़ाने से इन भ्रष्ट लोगों पर कोई खास लगाम नहीं लग पाएगी।

(i) कौन-सा धन चिंता का विषय है?

(क) देश के बाहर और देश के अंदर छिपा

(ख) चोरी से कमाया

(ग) रिश्वत से कमाया

(घ) टैक्स की चोरी से बचाया।

(ii) काले धन पर निगरानी रखने के लिए सरकार को करना होगा –

(क) प्रशिक्षित खुफिया तंत्र का विकास

(ख) आर्थिक अपराधों की रोकथाम के लिए प्रयास



Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



(ग) काले धन के अपराधियों को कठोर दंड

(घ) काले धन का पता लगने पर उस पर सरकार का कब्जा।

(iii) काला धन विदेशों में ले जाकर छिपाना आसान हो गया है –

(क) धन की अधिकता के कारण (ख) देश का व्यापार बढ़ने के कारण

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ने के कारण (घ) सरकार की लापरवाही के कारण।

(iv) सरकार काले धन की रोकथाम की दिशा में सक्रिय हुई है –

(क) सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद

(ख) देश में आर्थिक भेदभाव के बढ़ने के कारण

(ग) देश में गरीबों की संख्या में वृद्धि के कारण

(घ) काला धन सम्बन्धी षड्यन्त्रों के खुलासे के बाद।

(v) **'प्राथमिकता'** में मूल शब्द और प्रत्यय है –

(क) प्राथमिक + ता (ख) प्राथम + इक + ता

(ग) प्रथम + इक + ता (घ) प्राथ + मिकता।

**3.** निम्नलिखित पंक्तियों के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – $1 \times 5 = 5$

घृणा करने से घृणा के भाव का विस्तार होगा
रक्त से कैसे धरा के रूप का शृंगार होगा
प्रेम की अनुभूति तो उर की सहज सम्वेदना है
प्रेम से ही अब मनुज का स्वप्न हर साकार होगा
जो घृणा से मुक्त, करता प्रेम का सम्मान है
बस वही मनुज महान है, बस वही मनुज महान है।

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



यह धरा चंगेज नादिर की बपौती भी नहीं
रक्त का सैलाब वीरों की कसौटी भी नहीं
बुद्ध, ईसा और नानक ही यहाँ पूजे गए
जुल्म की भी तो अधिक लम्बी उमर होती नहीं
शक्ति का जिसको नहीं किंचित कभी अभिमान है,
बस वह मनुज महान है, बस वह मनुज महान है।

(i) कवि के अनुसार प्रेम की अनुभूति क्या है?

(क) प्राकृतिक आनंद से जनित अनुभूति
(ख) उर की सहज संवेदना
(ग) बातचीत के आनंद से उत्पन्न अनुभूति
(घ) भोजन के स्वाद से पैदा हुई अनुभूति।

(ii) महान बनने के लिए आवश्यक है –

(क) सद्गुण अपनाना
(ख) बुरों से नफरत करना
(ग) घृणा छोड़ प्रेम का व्यवहार करना
(घ) अपने चरित्र को श्रेष्ठ बनाना।

(iii) चंगेज और नादिर किसलिए प्रसिद्ध हैं –

(क) प्रेम के लिए
(ख) हिंसा के लिए
(ग) साम्राज्य के लिए
(घ) अत्याचार के लिए।

(iv) 'जुल्म' का हिन्दी पर्याय है –

(क) अत्याचार
(ख) प्रतिकार
(ग) प्रतिघात
(घ) प्रतिस्पर्धा।

(v) काव्यांश का संदेश है –

(क) घृणा छोड़कर प्रेम का सम्मान करने वाला ही महान होता है
(ख) अन्याय करने वाला महान नहीं होता

P. T. O.

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



(ग) शक्ति का अभिमानी महान नहीं होता

(घ) जुल्म की उम्र छोटी होती है।

4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – $1 \times 5 = 5$

पेड़
शत्रु नहीं होते
मृत्यु नहीं होते –
मित्र बन जाते हैं पेड़
अपनी जीवनी शक्ति से
मूर्च्छित लक्ष्मण की –
संजीवनी हो जाते हैं पेड़।
पेड़ आदमी नहीं होते
फरेब नहीं होते
जहर नहीं होते
चंदन हो जाते हैं पेड़
चित्रकूट के घाट पर –
तुलसी के हाथों घिस जाते हैं पेड़
घिस-घिस कर
अमृत बरसाते हैं पेड़।
पेड़
भेड़ नहीं होते
मुर्गा नहीं होते

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



बकरा नहीं होते

फिर भी दिन-रात कटते हैं पेड़

ईंधन बन जल जाते हैं पेड़

उपकारी वृत्ति से

मकान बन जाते हैं पेड़।

(i) पेड़ ने लक्ष्मण को कैसे जीवनी-शक्ति दी?

(क) छाया देकर | (ख) संजीवनी बूटी देकर

(ग) जीवनदायी फल देकर | (घ) मानसिक शांति देकर।

(ii) 'पेड़ आदमी नहीं होते' पंक्ति का आशय क्या है?

(क) पेड़ वनस्पति हैं, आदमी नहीं | (ख) पेड़ आदमी की तरह फरेब नहीं करते

(ग) पेड़ उपकारी होते हैं, कृतघ्न नहीं | (घ) पेड़ सुगन्ध देते हैं, दुर्गन्ध नहीं।

(iii) 'पेड़ भेड़ या मुर्गा नहीं है', इस बात से लेखक सिद्ध करना चाहता है –

(क) पेड़ पशु-पक्षी नहीं हैं

(ख) पेड़ों को भेड़ों-मुर्गों की तरह काटना अपराध है

(ग) पेड़ों का काटना अमानवीय है

(घ) कटने से पेड़ व्यथित होते हैं।

(iv) पेड़ मकान कैसे बनते हैं?

(क) इमारती लकड़ी बनकर | (ख) बाँस इत्यादि बनकर

(ग) बाँस इत्यादि बनकर | (घ) मकान को छाया देकर।

(v) 'मूर्च्छित' का विलोम है –

(क) बेहोश | (ख) गश

(ग) सजग/चेतन | (घ) बातूनी।

P. T. O.

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



## खण्ड – ख

**5.** नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद-परिचय हेतु दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए – $1 \times 4 = 4$

(i) हम लाल किला देखने गए।

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष, बहुवचन

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, प्रथम पुरुष, एकवचन

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन

(ii) कमरे के बाहर कोई खड़ा है।

(क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'के बाहर' क्रिया की स्थान सम्बन्धी विशेषता बताता है

(ख) सम्बन्धबोधक अव्यय, 'कमरे' और 'कोई' का सम्बन्ध जोड़ रहा है

(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'कमरे' और 'कोई' को जोड़ रहा है

(घ) समुच्चयबोधक, 'कमरे' और 'कोई' को जोड़ रहा है।

(iii) मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।

(क) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(ख) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(ग) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(घ) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य।

(iv) अरे! उसने तो कमाल कर दिया।

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षसूचक

(ख) अव्यय, विस्मयादिबोधक, आश्चर्यसूचक

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



(ग) अव्यय, विस्मयादिबोधक, शोकसूचक

(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक, भयसूचक

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – 1 × 4 = 4

(i) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य चुनिए –

(क) वाणी बाजार गई और पेन खरीद लाई।

(ख) मुझे तो यह बात मालूम थी।

(ग) चूँकि तुम बीमार हो इसलिए तुम्हें दवाई खा लेनी चाहिए।

(घ) ज्यादा गुस्सा करना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता।

(ii) निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य चुनिए –

(क) समय सदा एक जैसा नहीं रहता।

(ख) भाई आने वाला था पर अभी तक आया नहीं।

(ग) यदि बारिश न हुई तो मैं घूमने जाऊँगा।

(घ) मेहनत का फल मीठा ही होता है।

(iii) 'माँ की इच्छा है कि मैं विदेश जाऊँ।' वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का नाम है –

(क) क्रियाविशेषण उपवाक्य (ख) मुख्य उपवाक्य

(ग) संज्ञा उपवाक्य (घ) विशेषण उपवाक्य

(iv) निम्नलिखित में से सरल वाक्य चुनिए –

(क) वह साड़ी खरीदकर लाई तो बड़ी खुश थी।

(ख) अगरबत्ती जलाते ही सुगंध फैल गई।

(ग) जो कुछ तुम कर रहे हो, वह सही नहीं है।

(घ) इधर आओ और यह पढ़कर सुनाओ।

P. T. O.

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए –

1 × 4 = 4

(i) निम्नलिखित में से भाववाच्य वाला वाक्य चुनिए –

(क) तुम्हें सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए।

(ख) उठिए, अब चला जाए।

(ग) भारत ने दोस्ती की पहल की है।

(घ) तुम कितनी देर तक काम करोगे ?

(ii) निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य चुनिए –

(क) दिव्या ने कपड़े अलमारी में रख दिए।

(ख) आज सभी कमरों की सफ़ाई की जाएगी।

(ग) जरूरतमंदों को कपड़े बाँटे गए।

(घ) क्या तुमसे यहाँ रहा जाएगा ?

(iii) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य चुनिए –

(क) मुजरिम को चार साल की सजा सुनाई गई।

(ख) पुलिस ने अपराधी को जेल में डाल दिया।

(ग) मुझसे अब खड़ा नहीं हुआ जा रहा।

(घ) ईश्वर सब कुछ देख रहा है।

(iv) 'जमीन पर कैसे सोओगे ?' का भाववाच्य होगा –

(क) जमीन पर कैसे सोया गया ?

(ख) जमीन पर कैसे सोया जाता है ?

(ग) जमीन पर कैसे सोया जाएगा ?

(घ) जमीन पर कैसे सोया जा सकता है ?

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



**8.** निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – $1 \times 4 = 4$

(i) जहाँ उपमेय में उपमान का अभेद आरोपित हो, वहाँ अलंकार होता है –

(क) उपमा (ख) रूपक

(ग) उत्प्रेक्षा (घ) अनुप्रास

(ii) 'कमल-पत्र से सुघर ये, राधाजी के नैन' में उपमेय है –

(क) कमल-पत्र (ख) राधाजी के नैन

(ग) सुघर (घ) राधाजी

(iii) निम्नलिखित में से उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण चुनिए –

(क) सब प्राणियों में मत्तमनोमयूर अहा नचा रहा।

(ख) नील गगन-सा शांत हृदय था हो रहा।

(ग) ले चला मैं तुझे कनक, ज्यों भिक्षुक लेकर स्वर्ण झनक ?

(घ) मखमल के झूल पड़े हाथी-सा टीला।

(iv) निम्नलिखित में से श्लेष अलंकार का उदाहरण चुनिए –

(क) तू मोहन के उरबसी ह्वै उरबसी समान

(ख) सुबरन को ढूँढ़त फिरत, कवि व्यभिचारी, चोर

(ग) आए महंत बसंत

(घ) रावनु रथी विरथी रघुवीरा

**9.** निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – $1 \times 4 = 4$

(i) कर्तृवाच्य में क्रिया का संबंध किससे होता है ?

(क) कर्म से (ख) कर्ता से

(ग) भाव से (घ) विशेषण से।



Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



(ii) 'आजकल सभी तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है।' में रेखांकित पद है –

(क) सर्वनाम (ख) विशेषण

(ग) क्रियाविशेषण (घ) संज्ञा।

(iii) 'इससे अनजाने में भूल हुई है इसलिए इसे माफ कर दें।' वाक्य का नाम है –

(क) सरल वाक्य (ख) जटिल वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) संयुक्त वाक्य

(iv) 'निर्धन के धन-सी तुम आईं' में कौन-सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) उपमा (घ) रूपक

## खण्ड – ग

**10.** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए –

$1 \times 5 = 5$

स्त्रियों का किया हुआ अनर्थ यदि पढ़ाने ही का परिणाम है तो पुरुषों का किया हुआ अनर्थ भी उनकी विद्या और शिक्षा ही का परिणाम समझना चाहिए। बम के गोले फेंकना, नर-हत्या करना, डाका डालना, चोरियाँ करना, घूस लेना – ये सब यदि पढ़ने-लिखने का ही परिणाम हो तो सारे कॉलेज, स्कूल और पाठशालाएँ बंद हो जानी चाहिए। परंतु विक्षिप्तों, बात-व्यथितों और ग्रहग्रस्तों के सिवा ऐसी दलीलें पेश करने वाले बहुत ही कम मिलेंगे। शकुंतला ने दुष्यंत को कटु वाक्य कहकर कौन-सी अस्वाभाविकता दिखाई?

(i) गद्यांश की पहली पंक्ति में प्रयुक्त 'यदि' शब्द का अर्थ है –

(क) स्त्रियों ने पढ़ाई के कारण अनर्थ किए

(ख) पुरुषों ने भी पढ़ाई के कारण अनर्थ किए

(ग) स्त्री-पुरुष दोनों ही अपराधी हैं

(घ) अनर्थ का कारण पढ़ाई नहीं, व्यक्ति का स्वभाव होता है।

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



(ii) द्विवेदी जी ने सभी स्कूल-कॉलेज बंद करने की बात क्यों कही ?

(क) यदि स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई बहुत महँगी है तो........

(ख) यदि स्कूल-कॉलेज में पढ़ाई नहीं होती तो........

(ग) यदि घिनौने कृत्यों का कारण शिक्षा ही है तो.........

(घ) यदि श्रेष्ठ कार्यों का कारण शिक्षा ही है तो.........

(iii) पागल 'रोगी' तथा 'असामान्य' व्यक्तियों के लिए गद्यांश में किन शब्दों का प्रयोग हुआ है ?

(क) अनर्थ तथा पापी (ख) 'नरहत्या' करने वाले

(ग) विक्षिप्तों, बात-व्यथितों और ग्रहगस्तों (घ) अज्ञानी और मूर्ख।

(iv) शकुंतला ने दुष्यंत से कैसे वचन कहे थे ?

(क) कड़वे (ख) मधुर

(ग) कोमल (घ) प्रेम भरे।

(v) 'अस्वाभाविकता' शब्द में उपसर्ग तथा प्रत्यय क्रमशः हैं –

(क) अ + स्वा उपसर्ग, ता प्रत्यय (ख) अ + स्व उपसर्ग, इकता प्रत्यय

(ग) अ + स्व उपसर्ग, इक + ता प्रत्यय (घ) अ + स्वा उपसर्ग, क + ता प्रत्यय

**अथवा**

अक्सर समारोहों एवं उत्सवों में दुनिया कहती है ये बिस्मिल्ला खाँ हैं। बिस्मिल्ला खाँ का मतलब – बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। शहनाई का तात्पर्य – बिस्मिल्ला खाँ का हाथ। हाथ से आशय इतना भर की बिस्मिल्ला खाँ की फूँक और शहनाई की जादुई आवाज का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है। शहनाई में सरगम भरा है। खाँ साहब को ताल मालूम है, राग मालूम है। ऐसा नहीं कि बेताले जाएँगे। शहनाई में सात सुर लेकर निकल पड़े। शहनाई में परवरदिगार, गंगा मइया, उस्ताद की नसीहत लेकर उतर पड़े। दुनिया कहती – सुबहान अल्लाह, तिस पर बिस्मिल्ला खाँ कहते हैं – अलहमदुलिल्लाह।

(i) समारोहों और उत्सवों में बिस्मिल्ला खाँ को किस प्रकार पहचाना जाता था ?

(क) ज्ञानी पुरुष (ख) सच्चे संत

(ग) शहनाई वादक (घ) महापुरुष।



Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



(ii) खाँ साहब बेताले क्यों नहीं हो जाते ?

(क) वे ज्ञानी थे (ख) उन्हें सुर, ताल व राग का पूरा ज्ञान था

(ग) वे कभी गाने में रुकते नहीं थे (घ) वे मधुर गाते थे।

(iii) बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई में क्या-क्या समाया हुआ था ?

(क) सुरीली आवाज, रीड, ताल तथा सुर

(ख) मधुर आवाज, सबका आशीर्वाद तथा सुर

(ग) संगीत के सातों सुर, खुदा, गंगा माँ तथा गुरु का मार्गदर्शन

(घ) दुनिया, समारोह, उत्सव तथा जादुई आवाज।

(iv) 'परवरदिगार' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(क) गुरुजी के लिए (ख) शिष्य के लिए

(ग) ज्ञानी पुरुष के लिए (घ) खुदा के लिए।

(v) 'अलहमुलिल्लाह' का अर्थ क्या है ?

(क) ये सारी तारीफ ईश्वर के लिए (ख) हम ही ईश्वर हैं

(ग) सभी ईश्वर हैं (घ) सभी को मिलजुलकर रहना चाहिए।

**11.** निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए – $2 \times 5 = 10$

(क) फादर की मृत्यु पर लेखक सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के मन में कौन-कौन-से प्रश्न उठ रहे थे ?

(ख) लेखिका मन्नू भंडारी के मन में गहन हीनभावना की ग्रंथि क्यों पैदा हुई ? पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग) महावीर प्रसाद द्विवेदी जी को प्राकृत के ग्रंथकारों एवं आज के हिंदी समाचार-पत्रों के संपादकों में क्या समानता नजर आती है ?

(घ) 'संस्कृति' पाठ का मूल उद्देश्य क्या है ?

(ङ) 'फटा सुर न बख्शे लुंगिया का क्या है, आज फटी है तो कल सिल जाएगी।' बिस्मिल्ला खाँ साहब ने ऐसा क्यों कहा ?

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



12. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढस बँधाता

(क) मुख्य गायक का गला कब बैठने लगता है? 1

(ख) गला बैठने के संदर्भ में संगीतकार उसे क्या याद दिलाता है? 1

(ग) प्रेरणा और उत्साह कब अस्त होने लगता है। 1

(घ) मंद और भटकने के स्वर की तुलना किससे की गई है और क्यों? 1

(ङ.) मुख्य गायक को कौन ढाँढ़स बँधाता है? 1

**अथवा**

छवियों की चित्र-गंध फैली मन भावनी;
तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण –
छाया मत छूना
मन, होगा दु:ख दूना।

(क) "तन सुगंध.........बीत गई यामिनी" पंक्ति में कवि की किस पीड़ा की अभिव्यक्ति हुई है? 2

(ख) 'भूली-सी छुअन' किस प्रकार जीवित क्षण बन जाती है? उत्तर दीजिए। 2

Downloaded from: http://www.atpeducation.com

ATP Education | Previous Year Paper



M

(ग) पंक्तियों में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए। 1

**13.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –

(क) विश्वामित्र ने परशुराम के क्रोध को शांत करने के लिए क्या कहा? 2

(ख) 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता के आधार पर लिखिए कि बच्चे के स्पर्शजन्य सुख का कवि पर क्या विलक्षण प्रभाव पड़ा? 2

(ग) 'कन्यादान' कविता के आधार पर लिखिए कि 'दु:ख बाँचने' से कवि का क्या अभिप्राय है? 1

**14.** 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कीजिए। 5

**अथवा**

दुलारी का टुन्नू से पहली बार परिचय कहाँ और किस रूप में हुआ?

## खण्ड – घ

**15.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए – 5

**(क) नदी-तट पर भ्रमण**

**संकेत-बिन्दु** – भ्रमण मस्तिष्क और शरीर के लिए लाभकारी, प्रात:काल नदी का सौंदर्य, हर वर्ग के लिए लाभकारी व आकर्षण का केन्द्र, मन में स्फूर्ति और स्वस्थ तन।

**(ख) छात्र और राष्ट्रीय एकता**

**संकेत-बिन्दु** – भारत की अखंडता, एकता – भारतीय संस्कृति का आधार, विद्यार्थियों का दायित्व, देश की एकता सर्वोपरि, एकता के लाभ।

**16.** दिन पर दिन बढ़ते बिजली संकट की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 5

**अथवा**

आपका मित्र हडसन एंड्री न्यूजीलैंड में रहता है। उसे इस बार गर्मी की छुट्टियों के दौरान भारत के पर्वतीय प्रदेशों में भ्रमण हेतु निमंत्रण-पत्र लिखिए।

Downloaded from: http://www.atpeducation.com